नव भारत
| संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्त्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी |

इंदौर हादसा : अतिरिक्त सावधानी की जरूरत

इंदौर के तिलक नगर थाना क्षेत्र में बुधवार को तड़के घटी त्रासदी ने पूरे शहर को झकझोर कर रख दिया है. एक ही परिवार के आठ लोगों की दर्दनाक मृत्यु केवल एक हादसा नहीं, बल्कि हमारी शहरी जीवनशैली, तकनीकी उपयोग और सुरक्षा मानकों की गंभीर खामियों को उजागर करने वाली घटना है. बृजेश्वरी एनेक्सी कॉलोनी में इलेक्ट्रिक कार की चार्जिंग के दौरान हुए विस्फोट से शुरू हुई आग ने देखते ही देखते एक पूरे परिवार को निगल लिया.

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि घर के बाहर खड़ी इलेक्ट्रिक कार चार्ज हो रही थी और चार्जिंग पॉइंट में हुए धमाके ने आग को जन्म दिया. यह आग इतनी तेजी से फैली कि तीन मंजिला मकान चपेट में आ गया. स्थिति और भयावह तब हो गई जब घर में रखे एलपीजी सिलेंडरों में विस्फोट होने लगे. एक के बाद एक हुए धमाकों ने बचाव की संभावनाओं को लगभग समाप्त कर दिया. ऊपर से इलेक्ट्रॉनिक लॉक का जाम हो जाना इस त्रासदी का सबसे दुखद और चिंताजनक पहलू बनकर सामने आया, जिसने अंदर फंसे लोगों को बाहर निकलने का कोई मौका ही नहीं दिया. यह घटना कई महत्वपूर्ण सवाल खड़े करती है क्या हमारे शहरों में तेजी से बढ़ती इलेक्ट्रिक वाहनों की संख्या के अनुरूप सुरक्षा मानकों का विकास हो पाया है? क्या आवासीय क्षेत्रों में चार्जिंग स्टेशनों के लिए पर्याप्त दिशा-निर्देश मौजूद हैं? और सबसे अहम, क्या हम तकनीक को अपनाते समय उसकी सीमाओं और जोखिमों को समझ रहे हैं ?

इलेक्ट्रिक वाहन निश्चित रूप से भविष्य की जरूरत हैं और पर्यावरण संरक्षण के लिहाज से एक सकारात्मक कदम भी. लेकिन इनके साथ जुड़ी तकनीकी जटिलताओं और संभावित खतरों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता. विशेष रूप से घरेलू चार्जिंग के दौरान सावधानी बरतना अत्यंत आवश्यक है. वायरिंग की गुणवत्ता, ओवरलोडिंग से बचाव, और चार्जिंग उपकरणों की नियमित जांच जैसे पहलुओं को गंभीरता से लेना होगा.

साथ ही, इस घटना ने घरों में अत्यधिक संख्या में एलपीजी सिलेंडरों के भंडारण की प्रवृत्ति पर भी प्रश्नचिह्न लगाया है. सुरक्षा मानकों के विपरीत इस तरह का भंडारण किसी भी दुर्घटना को कई गुना घातक बना सकता है. प्रशासन को इस दिशा में सख्त नियम बनाने और उनके पालन को सुनिश्चित करने की आवश्यकता है. इलेक्ट्रॉनिक लॉक जैसी आधुनिक सुविधाएं, जो सुरक्षा के लिए लगाई जाती हैं, आपातकालीन परिस्थितियों में जानलेवा साबित हो सकती हैं, यह इस हादसे ने स्पष्ट कर दिया. ऐसे उपकरणों में मैन्युअल ओवरराइड सिस्टम अनिवार्य किया जाना चाहिए, ताकि बिजली जाने की स्थिति में भी दरवाजे खोले जा सकें. गर्मी के मौसम में आगजनी की घटनाएं स्वाभाविक रूप से बढ़ जाती हैं. ऐसे में यह जरूरी है कि आम नागरिक भी सतर्क रहें. घरों में अग्निशमन यंत्रों की उपलब्धता, आपातकालीन निकास के रास्ते, और बेसिक फायर सेफ्टी प्रशिक्षण जैसी चीजें अब विकल्प नहीं, बल्कि आवश्यकता बन चुकी हैं. प्रशासन द्वारा विशेषज्ञ समिति गठित करने और ईवी चार्जिंग के लिए नई एसओपी बनाने की घोषणा स्वागत योग्य है, लेकिन यह कदम केवल कागजों तक सीमित न रह जाए, यह सुनिश्चित करना होगा. नियमों का कड़ाई से पालन और समय-समय पर उनकी समीक्षा ही भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोक सकती है.

इंदौर की यह घटना एक कड़वी सीख है कि विकास की दौड़ में यदि सुरक्षा को नजरअंदाज किया गया, तो इसकी कीमत बहुत भारी हो सकती है. अब समय आ गया है कि तकनीक के साथ-साथ सुरक्षा को भी समान प्राथमिकता दी जाए, ताकि कोई और परिवार इस तरह की त्रासदी का शिकार न बने.

नई विकास गाथा को ऊर्जा प्रदान कर रहा है भारत

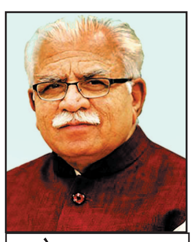

मनोहर लाल खट्टर

प्राचीन प्रार्थना 'तमसो मा ज्योतिर्गमय' - अर्थात हमें अंधकार सेप्रकाश की ओर ले चलो - केवल आध्यात्मिक आकांक्षा भर नहीं, अपितु आधुनिक भारत की गाथा को भी दर्शाती है. बीते दशक में, कभी लगातार कमी से परिभाषित होने वाले विद्युत इको सिस्टीम को दुनिया के सबसे तेज़ी से बढ़ते, सबसेवैविध्यतपूर्ण और सुधार-प्रेरित विद्युत बाज़ारों में से एक में परिवर्तित कर हमने इस आदर्श भावना को वास्तविकता में बदल दिया है.

जैसे-जैसे भारत स्वयं को एक वैश्विक विनिर्माण केंद्र, उभरती हुई डिजिटल अर्थव्यवस्था और स्वच्छ ऊर्जा की दिशा में जिम्मेदार नेतृत्वकर्ता के रूप में स्थापित कर रहा है, वैसे-वैसेविद्युत क्षेत्र हमारी राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धात्मकता की आधारशिला बन गया है. पिछले दशक में, हमने उत्पादन और पारेषण क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि की है, जिससे राष्ट्रीय ऊर्जा की कमी वित्त वर्ष2013-14 में4.2% से घटकर वित्त वर्ष 2025-26 तक मात्र 0.03% रह गई है. केवल वित्त वर्ष 2025-26 में ही (जनवरी2026 तक), सभी स्त्रोतों से रिकॉर्ड 52.53 गीगावाट क्षमता जोड़ी गई है, जो एक ही वर्ष मेंजोड़ी गई अब तक की सर्वाधिक क्षमता है, जिसने 2024-25 में स्थापित 34.05 गीगावाटके पिछले सर्वोच्च स्तर को भी पार कर लिया है. कुल विद्युत उत्पादन वित्त वर्ष 2014 में1,020.2 बीयू से बढ़कर वित्त वर्ष 2025 में1,830 बीयू हो गया है. प्रति व्यक्ति खपत 2014 में 957 किलोवाट-घंटे से बढ़कर 2025 में 1,460 किलोवाट-घंटा हो गई है, जोआर्थिक विकास और बेहतरपहुँचको दर्शाती है. इससे यह सुनिश्चित हुआ है कि हर घर, खेत और उद्योगके पास उसकी आवश्यकता के अनुसार विश्वसनीय विद्युत उपलब्ध हो और भारत अब दुनिया मे विद्युत का तीसरा सबसे बड़ा उत्पादक और उपभोक्ता बन गया है.

> हमारा अनुमान है कि 2032 तक विद्युत उत्पादन में345 बिलियन डॉलर और पारेषण एवं वितरण में 68 बिलियन डॉलर से अधिक कानिवेश संभावित है, जबकिकेवल ऊर्जा भंडारण में ही35 बिलियन डॉलर से अधिक का अवसर मौजूद है. यह वास्तविक मांग पर आधारित है, क्योंकि भारत की कुल उत्पादन क्षमता पहले ही520 गीगावाट से अधिक है और तेजी से बढ़ रही है, साथ ही ग्रिड के उत्सर्जन तीव्रता घट रही है. आइए, हम सभी एकजुट होकर विकसित भारत को ऊर्जा प्रदान करें और ग्लोरबल साउथ की साझा समृद्धि के मार्ग को आलोकित करें.

यद्यपि हम 520 गीगावाट से अधिक विद्युत उत्पायदित करने में सक्षम हैं, लेकिन किसी भी प्रणाली की असली परीक्षा अधिकतम मांगया पीक लोड को बिनाकिसी तरह के संचालनात्मकदबाव के संभाल सकने की उसकी क्षमता होती है.साल 2024 कीगर्मियों में अधिकतम मांग रिकॉर्ड 250 गीगावाट तक पहुँच गई थी और वित्त वर्ष2025-26 में यह 242.49 गीगावाट रही.इससे पहले मांग में इस तरह की वृद्धि से ग्रिड पर दबाव पड़ सकता था, लेकिन हमारे लोड डिस्पैच केंद्रों ने लगभग शून्य ऊर्जा हानि के साथ इसे सफलतापूर्वक प्रबंधित किया. यह मजबूती दुनिया के सबसे बड़े समकालिक ग्रिडों में से एक के कारण संभव हुई है, जिसमें120 गीगावाट अंतर-क्षेत्रीय स्थानांतरण क्षमता है, जोदेश को 'एक राष्ट्र-एक ग्रिड-एक फ्रीक्वेंसी' में एकीकृत करती है.

प्रेरणादायक बात केवल यह नहीं है कि हम कितनी विद्युत का उत्पादन करते हैं, बल्कि यह भी है कि हम उसे कैसे उत्पाीदित करते हैं.गैर-जीवाश्म ईंधन पर आधारित क्षमता का अंश तेजी से बढ़ा है, जिसकी बदौलत भारत 50% संचयी गैर-जीवाश्म ईंधनपर आधारित विद्युत क्षमता हासिल करने के अपने एनडीसी लक्ष्य को निर्धारित समय से लगभग पाँच वर्ष पहले ही हासिल करने में समर्थ हो सका है.यह स्वच्छ ऊर्जा परिवर्तन और जलवायुके प्रति हमारी संकल्पिबद्धता को दर्शाताहै.

2014 से, मिशनमोड योजनाओं के माध्यम सेविद्युत क्षेत्र को नए रूप में ढाला गया है, जिन्होंने पहुँच का विस्तार करते हुए सतत परिवर्तन को भी गति दी है. दीन दयाल उपाध्याय ग्राम ज्योति योजनाने भारत के हर गांवतक बिजली पहुँचायी, इसके बाद सौभाग्य योजना आई, जिसने लाखों घरोंको बिजली से रोशन किया औरऊर्जातक पहुँच को सभीके लिए वास्तविकता बना दिया.

एक अन्य परिवर्तनकारी सुधार सितंबर 2025 मेंसमान आईएसटीएस सबस्टेशनोंपर सौर और गैर-सौर घंटों के लिए अलग-अलग कनेक्टिविटी की शुरुआत है. सौर परियोजनाओं को सौर घंटों के दौरान पहुँच मिलती है, जबकिभंडारण और पवन परियोजनाओं को गैर-सौर घंटों में पहुँच मिलती है. इससे बड़ीमात्रा में अप्रयुक्त पारेषणक्षमता का उपयोग संभव होता है, अतिरिक्त लाइनों की आवश्यकता के बिना नवीकरणीय और भंडारण परियोजनाओं के कमीशनिंग में तेजी आती है, पारेषणलागत घटती है औरसंसाधनों का बेहतर उपयोग सुनिश्चित होता है.

(लेखक भारत सरकार के केंद्रीय विद्युत मंत्री हैं)

ग्वालियर चंबल डायरी

अब स्टेशन के नामकरण को लेकर भाजपा में उठे अलग-अलग सुर

हरीश दुबे

ग्वालियर रेलवे स्टेशन पर इन दिनों पुनर्निर्माण एवं सौंदर्यीकरण का काम चल रहा है. सिंधिया से लेकर सांसद भारत सिंह तक के एजेंडा में स्टेशन पर चल रहे विकास कार्यों को जल्द से जल्द पूरा कराना नंबर एक पर है लेकिन यह प्रोजेक्ट विलंबित होता जा रहा है. लगभग 535 करोड़ की लागत से चल रहे ये काम सितंबर 2026 तक पूरा होने का लक्ष्य है. इस विश्वस्तरीय स्टेशन का निर्माण कार्य धीमी प्रगति के कारण कई बार आगे बढ़ाया जा चुका है, अब दावा किया जा रहा है कि जून 2026 तक काम पूरा करने की तैयारी है.

ग्वालियर का यह ऐतिहासिक स्टेशन कितनी जल्दी रानी कमलापति जैसा फाइव स्टार स्वरूप लेगा, इस चिंता के बजाए ग्वालियर के जनप्रतिनिधि अब स्टेशन के नामकरण पर उलझ गए हैं. सांसद भारत सिंह कुशवाह ने लोकसभा में रेल मंत्री से मांग कर दी कि स्टेशन का नामकरण पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटलबिहारी वाजपेयी की स्मृति में हो. यह खबर आते ही सिंधिया खेमे ने स्टेशन का नामकरण स्व. माधवराव सिंधिया के नाम पर रखे जाने के लिए मोर्चा संभाल लिया है. भाजपा के दो खेमे आमने सामने आए तो क्षत्रिय समाज भी मैदान में कूद पड़ा है. क्षत्रिय समाज का कहना है कि न माधव और न अटल, स्टेशन का नामकरण तो राजा मानसिंह तोमर के नाम पर होना चाहिए क्योंकि ग्वालियर की असल पहचान तो राजा मानसिंह की वजह से ही है. अब देखना है कि रेल मंत्रालय किस नाम पर मोहर लगाता है.

प्रदेश में अब तक नहीं लगा इतना विशाल मेडिकल कैंप, रचा इतिहास

अपने अपने क्षेत्र के माहिर देशभर के दिग्गज डॉक्टर एक ही शहर में पूरे आठ दिन तक मौजूद रहकर खुद को पीड़ित मानवता की सेवा के लिए समर्पित कर दें और बड़े शहरों में जिन डॉक्टरों के अप्वाइंटमेंट महीनों तक नहीं मिलते, आधुनिक युग के वे भगवान मरीजों की सेवा के लिए फौरन हाजिर मिलें, मेडिकल क्षेत्र के विशुद्ध प्रोफेशनल हो जाने के चलते ऐसे वाकये कम ही मिलते हैं लेकिन शिवपुरी ने तो इतिहास ही रच दिया है. माधवराव सिंधिया सेवा स्वास्थ्य मिशन और रोटरी रीजनल मेडिकल मिशन इन दिनों शिवपुरी में पीड़ित मानवता की सेवा का नया इतिहास रचने जा रहा है. इस शिविर का आगाज खुद ज्योतिरादित्य सिंधिया ने किया. सोमवार को नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का शुभारंभ किया. शिविर का आगाज ही बेमिशाल रहा, जब 5260 दिव्यांगजनों को 22,475 सहायक उपकरण और बैटरी वाली ट्राइसाइकिल बांटी गईं. खास बात यह कि सिंधिया ने दिव्यांगजनों को स्वयं अपने हाथों से उपकरण दिए. दरअसल, जरूरतमंद तबके तक स्वास्थ्य सेवा पहुंचाने की यह परंपरा स्व. माधवराव सिंधिया ने शुरू की थी जिसे उनके पुत्र आगे बढ़ा रहे हैं. इस मैराथन कैंप में दिल्ली और भोपाल के एम्स से डॉक्टर आए हैं तो रोजाना 25 हजार ओपीडी और 500 से 700 ऑपरेशन करने के भी इंतजाम हैं. जाहिर है मप्र का यह अब तक का सबसे बड़ा मेडिकल कैंप है. हालांकि रोटरी क्लब करीब छह साल पहले मुरैना में भी इसी तरह का कैंप लगा चुका है.

मिडिल ईस्ट की जंग के ग्वालियर में साइड इफेक्ट...

ग्वालियर से ईरान की दूरी करीब पौने तीन हजार किमी है लेकिन वहां की जमीन पर भड़की जंग से ग्वालियर चंबल अंचल भी प्रभावित है. मिडिल ईस्ट की जंग का असर एलपीजी की किल्लत और सभी गैस एजेंसियों पर लगी लोगों की भीड़ की शक्ल के रूप में सामने आया है. वैकल्पिक साधनों के रूप में बाजार में इंडक्शन कुकर और इलेक्ट्रिक भट्टियों की इतनी खरीद हुई कि बाजार से ऑफ स्टॉक हो गईं. लकड़ी, कण्डों, कोयले से जलने वाले चूल्हों का दौर फिर लौट आया.

असम विजय के लिए पीतांबरा नगरी में मनौती

हर साल ग्वालियर अंचल से हजारों की संख्या में देवीभक्त असम जाकर कामाख्या देवी के मंदिर में मनौतियां मांगते हैं, लेकिन असम में विधानसभा चुनाव का ऐलान होते ही वहां के सीएम हिमंत विश्व शर्मा ने दतिया आकर मां पीतांबरा पीठ पर देवी की पूजा अर्चना कर चुनाव में अपनी पार्टी की विजय और फिर से सरकार बनने की मनौती मांगी. वादा कर गए हैं कि चुनाव के बाद फिर से पीतांबरा नगरी में आएंगे. जाते जाते भरोसे के साथ यह भी कह गए कि पूर्वोत्तर के इस सूबे में फिर से कमल खिलेगा. सरकार किसकी बनेगी और किसकी नहीं, यह तो असमिया ही तय करेंगे. बहरहाल, असम के सीएम के आगमन के चलते पीतांबरा नगरी में सुरक्षा के जबरदस्त इंतजाम रहे और सियासत भी सरगर्म रही.

पर्याप्त गैस है तो लंबी कतार क्यों?

दावा किया जा रहा है कि देश में पर्याप्त मात्रा में रसोई गैस है. आपूर्ति का कुछ दबाव अवश्य है, लेकिन वास्तविक अभाव नहीं है. यदि ऐसी बात है तो गैस एजेंसियों के सामने ग्राहकों की लंबी कतारें क्यों देखी जा रही हैं? लोगों में अविश्वास क्यों बढ़ रहा है? खुद सरकार ने औद्योगिक व व्यावसायिक उपभोगकर्ताओं के लिए एलपीजी की सप्लाई नियंत्रित कर दी है. इस वजह से रेस्टोरेंट, स्कूल कैंटीन, सड़क किनारे के भोजनालय बंद हो रहे हैं तथा वहां काम करने वालों पर बेरोजगारी का संकट आ पड़ा है. अयोध्या में रामरसोई पहली बार बंद हुई है. होटल-रेस्टोरेंट को प्रतिदिन 1200 करोड़ का नुकसान हो रहा है. ईरान ने इस बात से इनकार किया है कि उसने खास तौर पर भारत के लिए होर्मुज की खाड़ी खोल दी है. अभी भी वहां 28 भारतीय जहाज और 778 भारतीय नाविक फंसे हुए हैं. ऊर्जा संकट का बुरा प्रभाव उद्योगों व भोजनालयों पर पड़ रहा है. जब व्यापारियों को ऐसा लगता है कि दूसरे दिन सिलेंडर आएगा या नहीं तो वह उपयोग में कटौती कर देते हैं. युद्ध के पहले जहां सिलेंडर बुकिंग 55 .7 लाख थी, वहीं वर्तमान बुकिंग बढ़कर 75 .7 लाख हो गई है. लोगों में विश्वास का संकट उत्पन्न हो गया है. इस स्थिति को टाला जा सकता था. हालात इसलिए भी बिगड़े क्योंकि अधिकारियों ने व्यावसायिक प्रतिष्ठानों तथा होटल-

रेस्टोरेंट को सिलेंडर के अनधिकृत इस्तेमाल के खिलाफ चेतावनी दी. सिलेंडर के दाम भी बढ़ा दिए गए. अर्थशास्त्र का सिद्धांत है कि जब मांग के मुताबिक पूर्ति नहीं होती तो दाम बढ़ जाते हैं. यदि पर्याप्त मात्रा में गैस मौजूद है तो फिर दाम क्यों बढ़ रहे हैं? यदि सरकार व अधिकारियों की ओर से सही संवाद होता और वह लोगों को भरोसा दिला पाते तो घबराहट नहीं फैलती. सप्लाई चेन हमेशा विश्वास पर चलती है जब व्यापारी गैस की कमी की बात कहते हैं और गैस एजेंसी के सामने ग्राहकों की भीड़ जमा होती है, तभी मीडिया जमीनी वास्तविकता पेश करता है. भ्रम व अफवाह फैलने से रोकना है तो

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

निशानेबाज

ट्रंप का कैबिनेट पर उपकार देने लगे जूतों का उपहार

पड़ोसी ने हमसे कहा, 'निशानेबाज, इंसान के चेहरे और जूते दोनों पर चमक रहनी चाहिए. जो व्यक्ति बिना पॉलिश किए जूते पहनता है वह लापरवाह माना जाता है. कीमती जूता उसे पहनने वाले की हैसियत बताता है. बाप के जूते में बेटे का पैर आ जाए तो समझ लेना चाहिए कि वह बड़ा हो गया, बच्चा नहीं रहा.'

हमने कहा, 'आज आपने जूते की चर्चा क्यों शुरू कर दी? क्या आप राजनीति में होने वाली जूतमपैजार की ओर इशारा कर रहे हैं? एक नेता पर सभा में जूता फेंका गया तो नाराज होने की बजाय वह बोला, दूसरा भी फेंक दीजिए, पहनने के काम आएगा. लोग मंदिर में भगवान का दर्शन करने जाते हैं लेकिन उनका ध्यान बाहर रखे अपने जूतों पर लगा रहता है कि कोई चुराकर ले तो नहीं गया.'

पड़ोसी ने कहा, 'निशानेबाज, वाल स्ट्रीट जर्नल के मुताबिक अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप को 'फ्लोरशाइम' ब्रांड के जूते बहुत पसंद हैं जिसे वह खुद पहनते हैं और अपने कैबिनेट सदस्यों व परिचितों को भी भेंट करते हैं. ट्रंप चाहते

हैं कि लोग उनका दिया हुआ जूता पहनकर उनके सामने आएं. ऐसा नहीं करने पर उनका मिजाज गर्म हो जाता है. ट्रंप अपने अंदाज से साइज का अनुमान लगाकर जूते का बॉक्स भेंट करते हैं. कभी साइज छोटा या बड़ा भी हो जाता है. विदेश मंत्री मार्को रुबियो के साथ ऐसा ही हुआ. 6 फुट 3 इंच ऊंचे ट्रंप ने अपना 12 नंबर साइज का जूता उन्हें उपहार में दे दिया. इस ओवरसाइज शू को पहनकर मार्को रुबियो जैसे-तैसे ट्रंप के सामने हाजिर हुए. उनके कदम लड़खड़ा रहे थे. जब उन्होंने जूता बड़ा होने की शिकायत की तो ट्रंप ने कहा, बड़े जूते से ही हम दुश्मन को कुचलकर 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' के नारे को अमली जामा पहना सकते हैं.'

हमने कहा, 'जूते के आविष्कार के बारे में कहा जाता है कि एक राजा के पैर में कंकर-पत्थर चुभने से उसने अपने मंत्री से कहा कि सारे राज्य की जमीन चमड़े से मढ़ दो. मंत्री ने कहा, इसकी जरूरत नहीं है. आपके पैरों को चमड़े से ढककर काम चल जाएगा. वहीं से जूते का ईजाद हुआ. राजकपूर ने फिल्म श्री 420 में गाया था- 'मेरा जूता है जापानी'. सभी जानते हैं कि स्टील में टाटा और जूते में बाटा का नाम मशहूर है.'

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

CROSS WORD 12202

- डॉ. सागर खादीवाला

1	2		3	■	4	5	6
7		■	8	9	■	10	
11		12	■	13			
■	■		■		■		■
14	15				16	■	17
18			■	19		20	
21		■	22	■	23		■
■	24			■	25		

ऊपर से नीचे

1. वयस्क, बुद्धिमान 2. धन की राशि (उर्दू) 3. जर्मनी का राष्ट्रीय साम्यवादी दल जिसका नेता हिटलर था 5. झपटकर या शीघ्रता से आगे बढ़ना, कोई वस्तु पाने के लिए हाथ आगे बढ़ाना 6. नीरवता, स्तब्धता, निर्जनता 9. नाचघर 12. उबले आलू या मांस की पकाई हुई टिकिया का एक अंग्रेजी व्यंजन (अं.) 14. पाला पोसा जाना 15. भयंकर एवं तीव्र जहर 16. दीपावली के अवसर पर होने वाली एक पूजा 17. पुष्पों का सार भाग, अत्तर (उर्दू) 20. पवित्र, पाक, शुद्ध (सं.) 22. भ्राता

बाएं से दाएं

1.खिसकना, हट जाना 4. काम करने में अनुत्साह, सुस्ती 7. हिमालय पर्वत का एक जंगली बैल 8. सीढ़ी (उर्दू) 10. हरे अथवा फिरोजी रंग का एक प्रसिद्ध रत्न, पुस्तक आदि का पृष्ठ 11. नाम से प्रसिद्ध, नाम का 13. चारा काटने वाला व्यक्ति, तुच्छ व्यक्ति 14. सबसे पहले, सर्वप्रथम 18. मस्तक, माथा 19. धनी व्यक्ति, धनवान 21. नाथ, पहिए का छेद 23. रूई को सलाई में लपेटकर बनाई हुई बत्ती जिससे सूत कातते हैं 24. लालिमा, लाली 25. बच्चा, महात्मा बुद्ध के पूर्व जन्म की कथाएं

Solution 12201

प्र	वा	हि	त	■	का	■	बे
व	र	■	■	चा	र	पा	ई
च	■	प्र	सा	र	ण	■	मा
न	वी	क	र	ण	■	भा	न
■	त	र	■	■	■	षा	■
पु	रा	ण	■	अ	सु	वि	धा
ज	ग	■	दा	ल	■	ज्ञा	न
ना	■	आ	वा	ग	म	न	■

ज्योतिषाचार्य पंडित प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष क प्रारंभ में नौकरी में स्थिति सामान्य रहेगी, अधिनस्थ कर्मचारियों का सहयोग मिलेगा, वर्ष के मध्य में सामाजिक कार्यो में संलग्नता रहेगी, व्यवसाय में वृद्धि होगी, आर्थिक लाभ होगा, उतावलेपन में लिये गये निर्णय हानिकारक रहेंगे, आर्थिक लेनदेन में सावधानी रखें, मित्र के सहयोग से उदासीनता दूर होगी.

मेष और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों को आर्थिक लाभ का योग है, व्यवसाय में वृद्धि होगी, कर्क राशि के व्यक्तियों को नौकरी में स्थिति सामान्य रहेगी, सिंह राशि के व्यक्तियों की सामाजिक कार्यो में संलग्नता रहेगी, मिथुन और कन्या राशि के व्यक्तियों को अधिनस्थ कर्मचारियों का सहयोग मिलेगा, मकर और कुंभ राशि के व्यक्तियों को उतावलेपन पर लिया गया निर्णय हानिकारक रहेगा, धनु और मीन राशि के व्यक्तियों के लिये व्यक्तित्व में विकास होगा, आर्थिक लेनदेन में सावधानी रखें.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक बुद्धिमान चतुर, भावुक, कल्पनाप्रिय, एवं व्यवहार कुशल, दार्शनिक, हंसमुख और मिलनसार होगा. व्यवसायिक कार्यो में उन्नति करेगा. कानूनी शिक्षा में इनकी रूचि रहती है. माता पिता को सुखी रखेगा. धार्मिक और भक्त होगा.

उदयकालीन ग्रह चाल

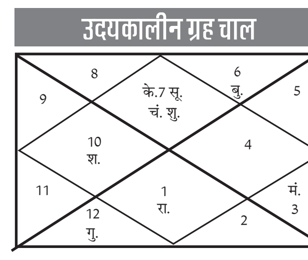

पंचांग

रा.मि. 28 संवत् 2082 चैत्र कृष्ण अमावस्या गुरूवासरे प्रात: 6/40 तदुपरि चैत्र शुक्ल प्रतिपदा रातअंत 5/25, उत्तराभाद्रपद नक्षत्रे रातअंत 4/40, शुक्ल योगे रात 1/57, नाग करणे सू.उ. 6/2, सू.अ. 5/58, चन्द्रचार मीन, पर्व-स्नानदान अमावस्या, वासन्तीय नवरात्र प्रारम्भ, कलश स्थापना, शु.रा. 12,2,3,6,7,10 अ.रा. 1,4,5,8,9,11 शुभांक- 5,7,1.

मेष- उत्साह में वृद्धि होगी. व्यवसायिक प्रतिष्ठा बनी रहेगी. निजी कार्यो में व्यस्तता रहेगी. लाभ होगा. यश, मान सम्मान और प्रतिष्ठा प्राप्त होगी.

वृषभ- धन, यश, कीर्ति में वृद्धि होगी. दूर दराज की यात्रा होगी. परिश्रम अधिक करना पड़ेगा. थकान महसूस कर सकते हैं. उदर विकार से कष्ट होगा.

मिथुन- अनचाही यात्रा का योग बनेगा. संबंधों में प्रगाढ़ता आयेगी. दायित्वों का निर्वहन होगा. अतिथि आगमन से व्यय बढ़ेगा. साहस बना रहेगा.

कर्क- संतान आदि के कार्यो का निर्वहन होगा. महत्वपूर्ण काम बनेगा. रचनात्मक कार्यो की रूपरेखा पर विचार विमर्श हो सकता है. संयम रखें.

सिंह- शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में चल रहे प्रयास सफल होंगे. किसी खास व्यक्ति से मुलाकात होगी. शुभ संदेश मिलेगा. परिश्रम अधिक होगा.

कन्या- पारिवारिक दायित्वों की पूर्ति होगी. मित्रता उपयोगी सिद्ध होगी. मानसिक प्रसन्नता रहेगी. आकस्मिक प्रवास का योग है. साहस संयम रखें.

तुला- अनावश्यक विवादों से बचें. निजी दायित्वों की पूर्ति होगी. मानसिक प्रसन्नता रहेगी. आकस्मिक व्यस्तता रह सकती है.

वृश्चिक- किसी खास व्यक्ति से मुलाकात होगी. मानसिक संतोष रहेगा. लाभ में कमी आ सकती है. अपना व्यवहार संयमित रखें प्रवास का योग है.

धनु- संतान पक्ष में संतोष रहेगा. शिक्षा के क्षेत्र में प्रगति होगी. व्यापार व्यवसाय अच्छा रहेगा. जल्दबाजी न करना ही हितकर और लाभकारी रहेगा.

मकर- सामाजिक कार्यो में यश मिलेगा. कार्य की अधिकता रहेगी. पद प्रतिष्ठा बनी रहेगी. यश मिलेगा. नियमितता बनी रहेगी. परिश्रम अधिक करना पड़ेगा.

कुम्भ- स्वजनों का सहयोग रहेगा. नौकरी में वातावरण अनुकूल रहेगा. धार्मिक कार्य और पूजापाठ में रूचि रहेगी. नियोजित कामकाज बनने का योग है.

मीन- धैर्य रखकर कार्य करना हितकर रहेगा. दैनिक जीवनचर्या में नियमितता रहेगी. पूज्य व्यक्ति की सलाह उपयोगी सिद्ध होगी. स्वजनों का ध्यान रखे.

व्यापार भविष्य

चैत्र कृष्ण अमावस्या/प्रतिपदा को उत्तराभाद्रपद नक्षत्र के प्रभाव से गुड़, खांड़, कपास, सन, सूत, पाट, बारदाना, खली, बिनौला, आदि के भाव में उतार चढ़ाव रहेगा. धनियां, सौंठ, अजवाईन, लालमिर्च, गरम मसाला, के भाव में तेजी होगी. भाग्यांक 4867 है.

SUDOKU 7334

5	9			3			8	7
8	7		1		5			
		2			9			4
	6				2		3	5
3	8		4	1	7		2	9
2	4		6				1	
7			3			8		
			5		8		7	3
9	3			2			6	1

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सू-दोकू 7333

7	4	8	3	9	2	1	5	6
2	6	9	5	7	1	8	4	3
3	1	5	4	8	6	7	2	9
5	7	4	8	6	9	3	1	2
8	9	1	2	3	4	6	7	5
6	3	2	1	5	7	4	9	8
4	8	7	6	2	5	9	3	1
9	2	6	7	1	3	5	8	4
1	5	3	9	4	8	2	6	7